

ओ मर्खे तेरी यादों में SSSSS
 ये दिन भी गुजारे हैं SSSSS
 सबको बाँटा तुमने SSSS मर्खे SSS
 हम भी तो तुम्हारे हैं SSSSSSSS ॥३॥

मेरे दिल की आवाजें SSSSS
 कोई सुन भी नहीं पाया SSSSSS
 जिसको अपना समझा SSSS
 उसने ही ठुकराया SSSSSSS
 फिर दाँव पे जाँ रख दी SSSS मर्खे SSS
 ये भी तो हमारे हैं-----

सबको बाँटा----ओ मर्खे-----

तूफ़ां के मचलते ही SSSS
 ली मौत ने अंगड़ाई SSSSS
 पुरजोर हवाओं की SSSSS
 गूँजी है शहनाई SSSSS
 पतवार मेरी टूटी SSSSS मर्खे SSS
 नहीं दिखते किनारे हैं-----

सबको बाँटा----ओ मर्खे-----

सब ओर अंधेरा था ३३३

करती जो टकराई ३३३

शीं मौत की वो घड़ियाँ ३३३

मर्क़े याद बहुत आई ३३३

बस मेरी गवाही में ३३३ मर्क़े ३३३

आकाश के तारे हैं ३३३

सबको बाँटा ---- ओ मर्क़े ----

दिल कहने लगा अब तो ३३३

शायद मैं बच पाऊँ ३३३

ये दूट रही दुनियाँ ३३३

फिर लौट के न आऊँ

लगता है "थी बाबा थी" अब तो ३३३ मर्क़े ३३३

खुद से हम हारे हैं...

सबको बाँटा ---- ओ मर्क़े ----